संपादकीय

यस बैंक: बदहाली का खजाना

यस बैंक के परेशानी में फंसने से इसके जमाकर्ताओं में हड़कंप मच गया है। बदहवास हालत में वे बैंक के एटीएम पर पहुंच रहे हैं, लेकिन पैसे निकल नहीं रहे। शाखाओं में खलबली मची है, वहां भी न पैसे दिए जा रहे हैं, न कोई दूसरी गतिविधि हो रही है। ग्राहकों को अपने पैसे डूबने की आशंका सता रही है। शेयर बाजार पर इस घटना का बहुत बुरा असर पड़ा है। लोगों के जेहन में कुछ ही समय पहले दिवालिया हुए पीएमसी बैंक की याद ताजा हो गई है। उसके ग्राहकों ने पैसे पाने के लिए प्रदर्शन किया था, जिसमें एक व्यक्ति की मौत तक हो गई थी। वैसे रिजर्व बैंक और सरकार इस बार सचेत हैं कि हालात उतने न बिगड़ें।

रिजर्व बैंक ने यस बैंक के बोर्ड का संचालन अपने हाथों में लेते हुए इससे महीने में 50 हजार रुपये तक की निकासी सीमा बांध दी है, जबकि सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक और अन्य वित्तीय संस्थानों को यस बैंक को खरीद लेने की दिशा में आगे बढ़ने की मंजूरी दे दी है। इधर तीन-चार वर्षों से यस बैंक की वित्तीय सेहत लगातार बिगड़ रही थी। बैंक ने जिन कंपनियों को लोन दिया उनमें अधिकतर घाटे में हैं या दिवालिया हो चुकी हैं। पैसे वापस लौटने का सिलसिला टूटा तो बैंक का हाल बिगड़ने लगा।

नुकसान से बचने के लिए उसने पूंजी जुटाने की कोशिश की। इससे उसकी रेटिंग खराब हुई और निवेशकों, जमाकर्ताओं ने अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया। बैंक प्रबंधन अपना घाटा छिपाता रहा। वित्त वर्ष 2018-19 में यस बैंक ने करीब 3,277 करोड़ रुपये के एनपीए को अपने खाते में दिखाया ही नहीं। रिजर्व बैंक को उसने इस झांसे में रखा कि बैंक को जल्द ही बड़े पैमाने पर निवेश मिलने जा रहा है। लेकिन मैनेजमेंट के पास निवेश के लिए कोई ठोस प्रस्ताव नहीं था। हाल तो अभी भारत के समूचे बैंकिंग सेक्टर का ही बुरा है।

ज्यादातर सरकारी बैंक खस्ताहाल हैं। कुछ बड़े नॉन बैंकिंग फिनांशल इंस्टीट्यूशन एक झटके में डूब गए। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भारी चिंता का विषय है। समस्या की जड़ कुछ हद तक उद्योग और व्यापार की सुस्ती से जुड़ी है, लेकिन कर्ज लेकर न लौटाने की बीमारी हमारे यहां बहुत पुरानी है। इस पर रोक तभी लगेगी जब बैंकों के कर्ज को घर की खेती समझने वालों में खौफ पैदा हो। पिछले कुछ सालों में विकास को गति देने के नाम पर कई उद्यमियों को आंख मूंदकर कर्ज बांटे गए, जिनमें कई भगोड़े हो चुके हैं। इसके अलावा बैंकों ने कई योजनाओं के तहत भी अंधाधुंध ऋण बांटे हैं, जिनकी वापसी की कोई गारंटी नहीं है। अभी यस बैंक के ग्राहकों की जमापूंजी लौटाना सरकार का पहला फर्ज होना चाहिए ताकि उनका विश्वास सिस्टम में बना रहे। अगर आम आदमी का भरोसा अर्थतंत्र से उठ गया तो इसे बहाल करने में लंबा वक्त लगेगा।

छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 95,432 करोड़ रुपये घटा, रिलायंस को सर्वाधिक नुकसान

नयी दिल्ली (आरएनएस)। बाजार पूंजीकरण (एम कैप) के लिहाज से शीर्ष दस घरेलू कंपनियों में से छह का एमकैप शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में 95,432.26 करोड़ रुपये घट गया। सबसे ज्यादा नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। सप्ताह के दौरान बीएसई सेंसेक्स 720.67 अंक या 1.88 प्रतिशत तक गिर गया।

शुक्रवार को यस बैंक के संकट के चलते सेंसेक्स में 894 अंक की गिरावट दर्ज की गयी थी। समीक्षावधि में

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 37,144 करोड़ रुपये घटकर 8,05,118.67 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों में सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस ही रही। एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में इस दौरान 23,435 करोड़ रुपये की कमी आयी और यह 6,22,109.94 करोड़ रुपये रहा।

इसके अलावा बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 14,299.1 करोड़ रुपये घटकर 2,54,309.90 करोड़ रुपये, एचडीएफसी का एमकैप 11,625.3 करोड़ रुपये घटकर 3,65,214.59 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का 6,325.67 करोड़ रुपये घटकर 3,14,705.23 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 2,673.22 करोड़ रुपये घटकर 2,88,225.26 करोड़ रुपये रह गया। सबसे ज्यादा लाभ में इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) रही। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 43,884.14 करोड़ रुपये बढ़कर 7,94,717.56 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

इसी तरह इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 3,364.34 करोड़ रुपये बढ़कर 3,14,821.60 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान युनिलीवर लिमिटेड का 2,534.8 करोड़ रुपये बढ़कर 4,73,359.77 करोड़ रुपये और कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण 2,447.7 करोड़ रुपये बढ़कर 3,12,168.86 करोड़ रुपये रहा।

बाजार पूंजीकरण के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर रही। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान युनिलीवर, एचडीएफसी, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एयरटेल और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

एफपीआई ने मार्च में अब तक बाजार से 13,157 करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्ली (आरएनएस)। छह माह से जारी लिवाली के रुख से अलग विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के शुरुआती पांच कारोबारी दिवस में शुद्ध तौर पर बिकवाली की है। इस अवधि में एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजारों से कुल 13,157.12 करोड़ रुपये की निकासी की है। कोरोना वायरस को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है।डिपॉजिटरी आंकड़ों के अनुसार दो से छह मार्च के बीच एफपीआई ने शेयर बाजारों से 8,997.46 करोड़ रुपये और बांड बाजार से 4,159.66 करोड़ रुपये की निकासी की है। इस तरह उन्होंने पूंजी बाजार से 13,157.12

करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले सितंबर 2019 से एफपीआई घरेलू बाजार में लगातार छह महीने लिवाल बने हुए थे। ग्रो के सह-संस्थापक और मुख्य परिचालन अधिकारी हर्ष जैन ने कहा कि अमेरिका में कोरोना वायरस के फैलने को लेकर बढ़ती चिंता और इस वजह से वैश्विक बाजारों में हो रही उठापटक भारतीय बाजारों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक है। बाजार में नरमी बढ़ने के डर से एफपीआई ने घरेलू शेयर और बांड दोनों बाजार से लगातार निकासी की है।

विदेशी संकेतों, प्रमुख आर्थिक आंकड़ों से शेयर बाजार को मिलेगी दिशा

मुंबई (आरएनएस)। कोरोना के कहर के कारण शेयर बाजार उबरने की चेष्टा ही कर रहा था कि अचानक सामने आए यस बैंक संकट ने पिछले सप्ताह दलाल स्ट्रीट को लहूलुहान कर दिया। घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह भी कोरोनावायरस और यस बैंक के संकट से जुड़े घटनाक्रमों का असर देखने को मिल सकता है। इसके अलावा, सप्ताह के दौरान जारी होने वाले प्रमुख आर्थिक आंकड़ों और विदेशी बाजार से मिलने वाले संकेतों से भारतीय शेयर बाजार को दिशा मिलेगी। विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुखों पर बाजार की नजर होगी।

भारत का खिताबी सपना टूटा, ऑस्ट्रेलिया पांचवीं बार बना चैम्पियन

मेलबर्न। मौजूदा चैंपियन आस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप के फाइनल में भारत को 85 रन से हराकर रिकॉर्ड पांचवीं बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। आस्ट्रेलियाई टीम छठी बार फाइनल में पहुंची थी। वहीं, भारतीय टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी और उसका पहला खिताब जीतने का सपना टूट गया।

यहां करीब 80,000 दर्शकों की मौजूदगी में आस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 184 रन का स्कोर बनाया और फिर भारत को पांच गेंद शेष रहते 99 रन पर ढेर कर दिया। आस्ट्रेलिया से मिले 185 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत काफी खराब रही और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती चली गई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने सर्वाधिक 33 रन बनाए। उन्होंने 35 गेंदों पर दो चौके लगाए।

उनके अलावा वेदा कृष्णामूर्ति ने 19, ऋचा घोष ने 18, स्मृति मंधाना ने 11 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने चार रनों का योगदान दिया। आस्ट्रेलिया की ओर से मेगन शट ने चार और जेस नोनासन ने तीन जबकि सोफी मोलिन्यूक्स, डेलिसा किमिंस और निकोला कैरी ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले, आस्ट्रेलिया ने क तूफानी शुरूआत करते हुए निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट पर 184 रन का स्कोर का मजबूत स्कोर बनाया। आस्ट्रेलियाई टीम को उसके दोनों ओपनरों बेथ मूनी (नाबाद 78) और एलीसा हिली (75) ने पहले विकेट के लिए 11.4 ओवर में 115 रनों की साझेदारी करके तूफानी शुरूआत दी।

अंकिता की दो जीत से भारत ने फेड कप इतिहास रचा

दुबई। भारतीय फेड कप टीम ने अंकिता रैना की बदौलत यहां इंडोनेशिया पर 2-1 की जीत से पहली बार प्ले आफ में जगह बनाकर इतिहास रच दिया। अंकिता ने शनिवार को अलडिला सुतजियादी के खिलाफ अहम एकल जीत से मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

उनसे पहले रूतुजा भोसले को प्रिस्का माडेलिन नुगरोहो से हार का सामना करना पड़ा था। आईटीएफ जूनियर सर्किट में 15वीं रैंकिंग पर काबिज 16 वर्षीय इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने रूतुजा को एक घंटे 43 मिनट में हरा दिया। भारतीय खिलाड़ी को 3-6 6-0 3-6 से पराजय मिली। फिर अंकिता ने सुतजियादी को दूसरे एकल में 6-3 6-3 से हरा दिया। इसके बाद उन्होंने और सानिया मिर्जा ने युगल मुकाबले में सुतजियादी और

नुगरोहो की जोड़ी को 7-6 6-0 से शिकस्त देकर भारत का प्ले आफ में स्थान सुनिश्चित किया जहां अप्रैल में टीम का सामना लातविया और नीदरलैंड के बीच मुकाबले की विजेता से होगा। भारत इस तरह छह टीमों के ग्रुप में लगातार चार जीत से दूसरे स्थान पर रहा। चीन से शुरूआती मुकाबले में हार मिली थी।

जियो, बीएसएनएल ने अपने कॉलर ट्यून पर लगाया कोरोना वायरस जागरुकता संदेश

नयी दिल्ली (आरएनएस)। रिलायंस जियो और बीएसएनएल ने अपने सेवा नेटवर्क पर लोगों को कॉलर ट्यून के रूप में 30 सेकेंड का कोरोना वायरस पर जागरुकता संदेश सुनाना शुरू कर दिया है। अन्य कंपनियों को दूरसंचार विभाग के तत्संबंधी निर्देश का अभी पालन नहीं किया है। सूत्रों के अनुसार स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुरोध पर दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार कंपनियों को कोरोना वायरस पर जागरुकता संदेश सुनाने का निर्देश जारी किया है। इसके लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने दूरसंचार विभाग को पांच मार्च को एक पत्र लिखा है। मंत्रालय के पत्र के अनुसार, '' आपसे (दूरसंचार विभाग) अनुरोध है कि सभी दूरसंचार कंपनियों को कोरोना वायरस पर जागरुकता फैलाने वाला 30 सेकेंड का एक ऑडियो संदेश तीन दिन तक सुनाने का निर्देश दें।

खतरों के खिलाड़ी 10 में छोटे पर्दे पर धमाल मचाती दिखेंगी तेजस्वी प्रकाश

टीवी स्टार रागिनी माहेश्वरी यानी तेजस्वी प्रकाश को आपने अब तक सीरियलों में बहू वाले किरदार में तो खूब देख लिया, लेकिन अब रील और रियल लाइफ में उनकी दिलेरी भी देख सकेंगे। स्वरागिनी, पहरेदार पिया की ऐक्ट्रेस तेजस्वी अब इंडियन टेलिविजन चैनल के सबसे खतरनाक शो खतरों के खिलाड़ी 10 में नजर आनेवाली हैं। जी हां, इस शो का एक नया प्रोमो जारी किया गया है, जिसमें तेजस्वी आग से गर्म वायर बेड पर लेटी हैं और उन्हें इस बेट पर कसरकर बांध दिया गया है। रोहित शेट्टी के इस शो में बाकी कंटेस्टेंट को तेजस्वी कितना तगड़ा कॉम्पिटिशन दे पाएंगी, ये तो वक्त ही बताएगा। यहां डालते हैं उनके इंस्टाग्राम तस्वीरों पर एक नजर और जानिए उनके बारे में सबकुछ। तेजस्वी म्यूजिकल फैमिली से हैं। तेजस्वी के पिता प्रकाश पेशे से इंजिनियर हैं और तेजस्वी भी मुंबई यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलिकम्यूनिकेशंस इंजिनियरिंग में ग्रैजुएट हैं। सोशल मीडिया पर तेजस्वी के फैन्स की कमी नहीं। इंस्टाग्राम पर अब तक 1.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं। तेजस्वी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में लाइफ ओके के सीरियल 2612 से की। इसके बाद साल 2013 में संस्कारः धरोहर अपनों की में वह नजर आई। साल 2015 से 2016 के बीच स्वरागिनी में रागिनी के किरदार में नजर आई। साल 2017 में आई पहरेदार पिया की और इस शो में उन्होंने दीया का किरदार निभाया था। रिश्ता लिखेंगे हम नया में वह रोहित सुचांती के साथ नजर आई। ...और अब वह खतरों के खिलाड़ी 10 में छोटे पर्दे पर धमाल मचाती दिखेंगी।

सूर्यवंशी में रणवीर सिंह, अजय देवगन के अलावा दिखेंगी रानी मुखर्जी

रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बनी फिल्म सूर्यवंशी का फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में पुलिस ऑफिसर की पावर-पैक्ड परफॉर्मेंस में अक्षय कुमार दिखाई देने वाले हैं और काफी समय के बाद एक बार फिर ऐक्शन अवतार में दिखाई देंगे। इस फिल्म से पहले रोहित के कॉप यूनिवर्स से सिंघम, सिंघम 2 और सिंबा जैसी सुपरहिट फिल्में आ चुकी हैं। पिछली बार सिंबा में अजय देवगन ने अपने सिंघम अवतार एंट्री ली थी और अब इस बार सूर्यवंशी के क्लाइमैक्स सीन में अक्षय के साथ सिंघम और सिंबा दोनों दिखाई देने वाले हैं। हालांकि अब ट्रेलर रिलीज होने से पहले से ही ऐसी चर्चाएं सामने आ रही हैं फिल्म में रानी मुखर्जी भी अपने मर्दानी अवतार में दिख सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित शेट्टी अपनी कॉप यूनिवर्स फिल्म में एक फीमेल कॉप को भी शामिल करने के लिए उत्साहित हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि रानी को सूर्यवंशी के क्लाइमैक्स सीन में शामिल किया गया है। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई कन्फर्म खबर नहीं आई है। हालांकि यह तो कन्फर्म हैं कि सूर्यवंशी के साथ सिंघम और सिंबा दोनों दिखने वाले हैं। अगर फिर भी इस रिपोर्ट को सच भी मान लिया जाए तो सूर्यवंशी क्लाइमैक्स ऐतिहासिक होने जा रहा है।

आज का राशिफल

मेषः ग्रह-नक्षत्र के अनुसार आपका आज का दिन कोई विशेष व्यवस्था करने में बीतेगा।

वृषभः आपकी राशि का स्वामी शुक्र मेष राशि में संचार कर रहा है। शु संपूर्ण शुभ दृष्टि से तुला राशि को देख रहा है।

मिथुनः आपकी राशि का स्वामी बुध नवम भाग्य भाव में सूर्य से तप्त एवं विकल है।

कर्कः कर्क राशि चंद्रमा की राशि है। आज राशि से तृतीय चंद्रमा उत्तम संपत्ति की प्राप्ति की ओर संकेत कर रहा है।

सिंहः राशि का स्वामी सूर्य कुंभ राशि का होकर सप्तम सुख भाव में भाग्य वृद्धि में सहायक सिद्ध हो रहा है।

कन्याः आज आपके पास अनेक प्रकार के लोग आश्रय लेने आने की आशंका है।

तुलाः आपकी राशि का स्वामी शुक्र राशि से सप्तम भाव में परा म वृद्धि व मन संतोष कारक है।

वृश्चिकः आज का दिन कामकाज को सुधारने में विशेष योगदान देगा।

धनुः आपकी राशि का स्वामी देव गुरु बृहस्पति है, जो कि बीते कई दिनों से धनु राशि के प्रथम भाव में चल रहा है।

मकरः आपकी राशि का स्वामी शनि राशि से पहले घर में और चंद्रमा नवम भाव में कुछ अधिक व्यस्तता का संकेत दे रहे हैं।

कुंभः आज आपकी राशि का स्वामी शनि द्वादश भाव में आपकी भाग्य में वृद्धि करता दिखेगा। धन धर्म कीर्ति में भी बढ़ोतरी होगी। शत्रु चिंता का दमन, प्रबल से प्रबल विरोधियों के होने पर भी अंत में सर्वत्र विजय विभूति सफलता की प्राप्ति हर्ष मंगलमय परिवर्तन होंगे।

मीनः आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति धनु राशि का होकर दशम भाग्य पिता भाव में चल रहा है। ग्रह-नक्षत्र के अनुसार, ऐसा योग मनोरथ सिद्धि कारक होता है।

नमकीन खाने के शौकीन हैं, तो जरूर बनाएं 'खस्ता कचौड़ी'

सामग्री :

मैदा -2 कप, खाने वाला सोडा , आधा छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार, तेल -5 बड़े चम्मच,

भरावन के लिए सामग्री

धुली उड़द दाल -1/2 कप, अदरक - एक इंच का टुकड़ा, हरी मिर्च -एक, काजू - 6 - 8, किशमिश -एक बड़ा चम्मच, तेल - 3 बड़े चम्मच, हींग -एक चुटकी, धनिया पाउडर -एक छोटा चम्मच, जीरा पाउडर - आधा छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर -एक छोटा चम्मच, सौंफ पाउडर -एक चौथाई चम्मच, चीनी -आधा छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार, नींबू का रस -एक छोटा चम्मच,

विधि :

मैदा, नमक और सोडा मिलाकर छान लें। इसमें तेल अच्छी तरह मिलाएं। इसे पर्याप्त पानी मिलाकर नरम गूंद लें। अब इसे भीगे कपड़े से ढक दें और एक किनारे रख दें। उड़द दाल को एक कप पानी में एक घंटे के लिए भिगो दें। एक घंटे के बाद दाल का पानी निकालकर उसे बहुत थोड़ा पानी डालकर दरदरा पीस लें। अदरक को छीलकर, धो कर महीन काट लें। हरी मिर्च काट लें। काजू को भी छोटे टुकड़ों में काट लें। किशमिश को धोएं और हल्के हाथ से दबाते हुए कपड़े में सुखा लें। एक कड़ाही में घी गर्म करें। इसमें पिसी हुई दाल, अदरक, हरी मिर्च, हींग, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, लाल मिर्च, सौंफ, काजू और किशमिश मिलाएं। तब तक पकाएं, जब तक कि सारी नमी सूख ना जाए।

इसमें चीनी, नमक और नींबू का रस मिलाएं। इसे अच्छी तरह मिलाकर आंच से उतार लें। मिश्रण को ठंडा होने दें। अब गूंदे हुए मैदे की लोई बना लें। प्रत्येक लोई को इस तरह छोटी पूरी के आकार में बेलें कि किनारों की तरफ पतली हो और बीच में मोटी रहे। इसके बीच में भरावन की सामग्री भरकर उन्हें बंद कर गोल लोई बनाएं और हल्के हाथ से चपटा बेल दें। अब कड़ाही में घी डालकर धीमी आंच पर सुनहरा होने तक तल लें। इसे इमली की चटनी के साथ परोसें।

शब्द सामर्थ्य- 57

बाएं से दाएं
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुघुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

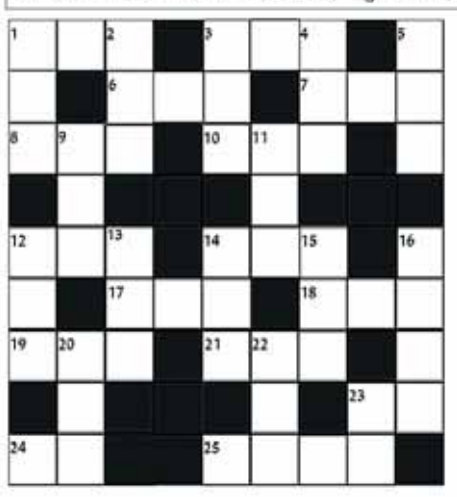

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 56 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

सू-दोकू- 57

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 56 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5	4	6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6